चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... The Tribune .....

दिनांक 26.3.2018 पृष्ठ सं. ..... 4 ..... कॉलम ..... 5-6 .....

To sir, with love

Hisar: Three professors of Haryana Agricultural University (HAU) here were honoured with the Best Teacher Award by Vice-Chancellor KP Singh on Sunday. The awardees are Dr Ashok Kumar Sarial of the College of Agriculture, Kaul (Kaithal); Dr Urmil Verma of the mathematics and statistics department, Basic Science College; and Dr Chandrakala Singh of the human development and family studies department, Home Science College. Asha Kwatra, Dean, postgraduate studies, said the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) had set the criteria for selection of professors. KP Singh said, "Teachers are the backbone of the country and they play an important role in nation-building."

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून

दिनांक 26.3.2018 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-4

तीन राज्यों के कृषि मंत्रियों की गोल मेज चर्चा

कृषि, डेरी, बागवानी की तकनीक समझने यूपी,राजस्थान जाएंगे प्रदेश के अधिकारी

रोहतक (हप्र/निस): कृषि, पशुपालन डेरी तथा बागवानी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश व राजस्थान में अपनाई जा रही बेहतरीन प्रक्रियाओं का अध्ययन करने के लिए हरियाणा सरकार अधिकारियों की एक अध्ययन टीम इन राज्यों का दौरा करने के लिए भेजेगी वहीं दोनों राज्यों के अधिकारियों की टीम भी हरियाणा का दौरा करेंगी। यह निर्णय शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ की अध्यक्षता में राजस्थान के कृषि मंत्री प्रभु लाल सैनी तथा उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रकाश साही के साथ गोल मेज चर्चा के दौरान लिया गया।

पूर्ण रूप से जैविक है राजस्थान की मछली

राजस्थान के कृषि मंत्री प्रभु लाल सैनी ने अवगत करवाया कि राजस्थान में युवाओं को सहकारिता के माध्यम से स्वरोजगार आरम्भ करने के लिए 20 लाख रुपए की सब्सिडी व मसाले का व्यापार करने के लिए 15 लाख रुपए की सब्सिडी दी जाती है। उन्होंने बताया कि राजस्थान की मछली पूर्ण रूप से जैविक है और मुर्गीपालन में जापानी बटेर तीन महीने तक एक विशेष प्रकार का अण्डा देती है।

बजट में 52 प्रतिशत बढ़ोतरी :मस्त

भारतीय किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने कहा कि आजादी के बाद आज देश मे ऐसी पहली सरकार बनी है जिसने योजना बजट में कृषि क्षेत्र के लिए 52 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी। उन्होंने किसानों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि शासन ने अपनी भूमिका का निर्वाह कर दिया, अब समाज की भी अपनी भूमिका निभानी होगी।

विशेषज्ञों की राय

फसल विविधीकरण को अपनाएं

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति केपी सिंह ने कहा कि किसान फसलों के विविधीकरण को अपनाकर अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। आज केवल परंपरागत खेती फायदे का सौदा नहीं रही है। अनाज के साथ सब्जी, फल-फूल आदि से अच्छी आमदनी की जा सकती है। किसानों को भी अब खेती के तरीकों के साथ-साथ फसलों को भी बदलने की जरूरत है। वहीं बागवानी अनुसंधान केन्द्र मुम्बई के निदेशक डॉ.एसके मल्होत्रा ने कहा कि किसानों को कृषि व्यवसाय के साथ-साथ कृषि संबद्ध व्यापार शुरू करना चाहिए। किसान अपने उत्पादों को प्रोसेसिंग के जरिए मार्केट में उतारेंगे तो कई गुणा मुनाफा लिया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नभ छोर........

दिनांक 23-3-2018 पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ....2-3....

गेहूं भंडारण, पैदावर विक्रय बाबत दी किसानों को जानकारी

हिसार/23 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पौध प्रजनन विभाग के गेहूं एवं जौ अनुभाग द्वारा गेहूं की पैदावार बढ़ाने हेतु किसानों के लिए आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ जिसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए हुए किसानों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके.सहरावत मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के लिए समन्वित खेती की पद्धति, जैविक खेती व नवीनतम कृषि यंत्रों को अपनाने की अपील की। उन्होंने किसानों को गेहूं की नवीनतम किस्मों के बारे में बताया तथा ऐसी किस्मों का प्रयोग करने पर बल दिया जो अधिक पैदावार के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन व निरन्तर बढ़ते तापमान के प्रति सहनशील हों। उन्होंने किसानों को खेती के लिए उपयुक्त रबी फसलों की समग्र सिफारिशें तथा नवीनतम किस्मों के बारे में प्रकाशित सामग्री भी वितरित की। उपरोक्त अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. एसएस ढांडा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान किसानों को जलवायु में परिवर्तन, निरन्तर बढ़ते तापमान व कम खाद-पानी की अवस्था में गेहूं की पैदावार को कैसे बढ़ाया जाए जैसे विषयों पर विशेष जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त किसानों को गेहूं की नवीनतम किस्में, अच्छे बीजों को तैयार करना, उनका भंडारण, गेहूं में लगने वाली विभिन्न बीमारियों व उनकी रोकथाम, पैदावार विक्रय के आधुनिक तरीके जैसे इ-मार्केटिंग आदि विषयों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षणार्थियों को कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग तथा एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग कॉलेज के फार्म मशीनरी व पॉवर इंजीनियरिंग विभाग में ले जाकर विभिन्न कृषि पद्धतियों एवं कृषि यंत्रों का व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ईश्वर सिंह पंवार ने कार्यक्रम में उपस्थित किसानों व वैज्ञानिकों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सेठी व सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. समुन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।